Sukarya
STRIVING FOR A BETTER SOCIETY

POSHAN PAKHWADA
MEDIA COVERAGE

Sukarya
STRIVING FOR A BETTER SOCIETY

महिलाओं और बच्चों को जागरूक करने के लिए अभियान

नई दिल्ली। एनीमिया मुक्त भारत को सफल बनाने के लिए सुकार्य संगठन ने जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शैक्षिक कार्यशालाओं और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन किया। साथ ही पोषण किट का वितरण किया। संस्था की अध्यक्ष मीरा सतपथी ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, अधिकारों और पोषण को सुलभ बनाना अहम है, ताकि देश में एनीमिया के मामले के बढ़ते बोझ से रणनीतिक रूप से निपटा जा सके। ब्यूरो

Amar Ujala, Delhi

Sukarya
STRIVING FOR A BETTER SOCIETY

देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959
04 Apr 2023 - Page 4

एनीमिया मुक्त भारत बनाने के लिए दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान की कुपोषित लड़कियों, महिलाओं एवं बच्चों को जागरूक कर रहा सुकार्य

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (देशबन्धु) मातृ-शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले एक प्रमुख संगठन सुकार्य ने एनीमिया से निपटने की सरकारी पहल, पोषण पखवाड़ा के तहत दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शैक्षिक कार्यशालाओं और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन तथा पोषण किट के वितरण के जरिये हजारों युवा लड़कियों, महिलाओं एवं बच्चों के बीच पहुंच बनाई। मातृ-शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में सुकार्य की ओर से किए जाने वाले लक्षित प्रयासों के बारे में बात करते हुए संस्था की अध्यक्ष मीरा सतपथी ने कहा, 'महिलाओं और लड़कियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, अधिकारों और पोषण को सुलभ बनाना अहम है, ताकि देश

3,804 महिलाओं और बच्चों के लिए शैक्षिक कार्यशालाएं आयोजित कीं, पोषण किट बांटे और स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए

में एनीमिया के मामले के बढ़ते बोझ से रणनीतिक रूप से निपटा जा सके।' उन्होंने कहा कि पिछले 15 दिनों में, हमने हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में वंचित समुदायों की महिलाओं, लड़कियों और बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जागरूक करने के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित कीं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के मुताबिक, भारत में 15 से 49 साल के आयु वर्ग में एनीमिया से पीड़ित महिलाओं की संख्या एनएफएचएस-4 में दर्ज 53.1त्न से बढ़कर 57 फीसदी हो गई है। एनीमिया एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता है, जो पोषण की कमी और खराब स्वास्थ्य की तरफ इशारा करती है, जिससे किसी व्यक्ति की शारीरिक और संज्ञानात्मक क्षमता प्रभावित होती है। सुकार्य पिछले 25 वर्षों से अपने मिश्रित हस्तक्षेपों के माध्यम से महिलाओं, लड़कियों एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाले मूल कारणों, मसलन-कुपोषण, टीकाकरण सेवाओं के बारे में अनभिज्ञता और पितृसत्तात्मक मानदंडों से निपटने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि एनीमिया के मामलों में कमी लाई जा सके।

भारत को एनीमिया मुक्त बनाने के लिए जागरुकता अभियान

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

मातृ-शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले एक प्रमुख संगठन सुकार्य ने एनीमिया से निपटने की सरकारी पहल, पोषण पखवाड़ा के तहत दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शैक्षिक कार्यशालाओं और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन तथा पोषण किट के वितरण के जरिये हजारों युवा लड़कियों, महिलाओं एवं बच्चों के बीच पहुंच बनाई। उन्होंने बताया कि मातृ-शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में सुकार्य की ओर से किए जाने वाले लक्षित प्रयासों के बारे में बात करते हुए संस्था की अध्यक्ष मीरा सतपथी ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, अधिकारों और पोषण को सुलभ बनाना अहम है, ताकि देश में एनीमिया के मामले के बढ़ते बोझ से रणनीतिक रूप से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि पिछले 15 दिनों में, हमने हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में वंचित समुदायों की महिलाओं, लड़कियों और बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जागरूक करने के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित कीं। बता दें कि सुकार्य पिछले 25 वर्षों से अपने मिश्रित हस्तक्षेपों के माध्यम से महिलाओं, लड़कियों एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाले मूल कारणों, मसलन-कुपोषण, टीकाकरण सेवाओं के बारे में अनभिज्ञता और पितृसत्तात्मक मानदंडों से निपटने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि एनीमिया के मामलों में कमी लाई जा सके।

Sukarya
STRIVING FOR A BETTER SOCIETY

एनीमिया मुक्त भारत के लिए कर रहे जागरूक

नई दिल्ली। मातृ-शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले एक प्रमुख संगठन सुकार्य ने एनीमिया से निपटने की सरकारी पहल, पोषण पखवाड़ा के तहत दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शैक्षिक कार्यशालाओं और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन तथा पोषण किट के वितरण के जरिये हजारों युवा लड़कियों, महिलाओं एवं बच्चों के बीच पहुंच बनाई। संस्था की अध्यक्ष मीरा सतपथी ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, अधिकारों और पोषण को सुलभ बनाना अहम है, ताकि देश में एनीमिया के मामले के बढ़ते बोझ से रणनीतिक रूप से निपटा जा सके।

Sukarya
STRIVING FOR A BETTER SOCIETY

dailyhunt समाचार ▾

PAWAN GUPTA
@gupta960240430115153

1d · 2 views · 1 shares

एनीमिया मुक्त भारत बनाने के लिए दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान की कुपोषित लड़कियों, महिलाओं एवं बच्चों को जागरूक कर रहा सुकार्य

3,804 महिलाओं और बच्चों के लिए शैक्षिक कार्यशालाएं आयोजित कीं, पोषण किट बांटे और स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए

नई दिल्ली, 3 अप्रैल 2023 : मातृ-शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले एक प्रमुख संगठन सुकार्य ने एनीमिया से निपटने की सरकारी पहल, पोषण पखवाड़ा के तहत दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शैक्षिक कार्यशालाओं और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन तथा पोषण किट के वितरण के जरिये हजारों युवा लड़कियों, महिलाओं एवं बच्चों के बीच पहुंच बनाई।
मातृ-शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में सुकार्य की ओर से किए जाने वाले लक्षित प्रयासों के बारे में बात करते हुए संस्था की अध्यक्ष मीरा सतपथी ने कहा, "महिलाओं और लड़कियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, अधिकारों और पोषण को सुलभ बनाना अहम है, ताकि देश में एनीमिया के मामले के बढ़ते बोझ से रणनीतिक रूप से निपटा जा सके।" उन्होंने कहा कि पिछले 15 दिनों में, हमने हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में वंचित समुदायों की महिलाओं, लड़कियों और बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जागरूक करने के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित कीं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के मुताबिक, भारत में 15 से 49 साल के आयु वर्ग में एनीमिया से पीड़ित महिलाओं की संख्या एनएफएचएस-4 में दर्ज 53.1% से बढ़कर 57% हो गई है। एनीमिया एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता है, जो पोषण की कमी और खराब स्वास्थ्य की तरफ

Sukarya
STRIVING FOR A BETTER SOCIETY

सुकार्य ने महिलाओं और बच्चों के लिए शैक्षिक कार्यशालाएं आयोजित कीं

दिल्ली April 4, 2023 Times Todays News 0

TIMES TODAYS SISTER CONCERN HINDI DAINIK FAIZABAD KI AWAZ

एनीमिया मुक्त भारत बनाने के लिए दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान की कुपोषित लड़कियों, महिलाओं एवं बच्चों को जागरूक कर रहा सुकार्य

3,804 महिलाओं और बच्चों के लिए शैक्षिक कार्यशालाएं आयोजित कीं, पोषण किट बांटे और स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए

नई दिल्ली : मातृ-शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले एक प्रमुख संगठन सुकार्य ने एनीमिया से निपटने की सरकारी पहल, पोषण पखवाड़ा के तहत दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शैक्षिक कार्यशालाओं और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन तथा पोषण किट के वितरण के जरिये हजारों युवा लड़कियों, महिलाओं एवं बच्चों के बीच पहुंच बनाई।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में सुकार्य की ओर से किए जाने वाले लक्षित प्रयासों के बारे में बात करते हुए संस्था की अध्यक्ष मीरा सतपथी ने कहा, "महिलाओं और लड़कियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, अधिकारों और पोषण को सुलभ बनाना अहम है, ताकि देश में एनीमिया के मामले के बढ़ते बोझ से रणनीतिक रूप से निपटा जा सके।" उन्होंने कहा कि पिछले 15 दिनों में, हमने हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में वंचित समुदायों की महिलाओं, लड़कियों और बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जागरूक करने के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित कीं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के मुताबिक, भारत में 15 से 49 साल के आयु वर्ग में एनीमिया से पीड़ित महिलाओं की संख्या एनएफएचएस-4 में दर्ज 53.1% से बढ़कर 57% हो गई है। एनीमिया एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता है, जो पोषण की कमी और खराब स्वास्थ्य की तरफ इशारा करती है, जिससे किसी व्यक्ति की शारीरिक और संज्ञानात्मक क्षमता प्रभावित होती है।

नमामि भारत
www.namamibharat.com

Sukarya
STRIVING FOR A BETTER SOCIETY

एनीमिया मुक्त भारत बनाने के लिए महिलाओं एवं बच्चों को जागरूक कर रहा सुकार्य

Posted on : April 4, 2023 **By** Vikas Yadav

दिल्ली एनसीआर

नई दिल्ली, 3 अप्रैल 2023 : मातृ-शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले एक प्रमुख संगठन सुकार्य ने एनीमिया से निपटने की सरकारी पहल, पोषण पखवाड़ा के तहत दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शैक्षिक कार्यशालाओं और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन तथा पोषण किट के वितरण के जरिये हजारों युवा लड़कियों, महिलाओं एवं बच्चों के बीच पहुंच बनाई।
मातृ-शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में सुकार्य की ओर से किए जाने वाले लक्षित प्रयासों के बारे में बात करते हुए संस्था की अध्यक्ष मीरा सतपथी ने कहा, “महिलाओं और लड़कियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, अधिकारों और पोषण को सुलभ बनाना अहम है, ताकि देश में एनीमिया के मामले के बढ़ते बोझ से रणनीतिक रूप से निपटा जा सके।” उन्होंने कहा कि पिछले 15 दिनों में, हमने हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में वंचित समुदायों की महिलाओं, लड़कियों और बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जागरूक करने के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित कीं।
राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के मुताबिक, भारत में 15 से 49 साल के आयु वर्ग में एनीमिया से पीड़ित महिलाओं की संख्या एनएफएचएस-4 में दर्ज 53.1% से बढ़कर 57% हो गई है। एनीमिया एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता है, जो पोषण की कमी और खराब स्वास्थ्य की तरफ इशारा करती है, जिससे किसी व्यक्ति की शारीरिक और संज्ञानात्मक क्षमता प्रभावित होती है।

सुकार्य पिछले 25 वर्षों से अपने मिश्रित हस्तक्षेपों के माध्यम से महिलाओं, लड़कियों एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाले मूल कारणों, मसलन-कुपोषण, टीकाकरण सेवाओं के बारे में अनभिज्ञता और पितृसत्तात्मक मानदंडों से निपटने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि एनीमिया के मामलों में कमी लाई जा सके।

पिछले एक वर्ष में, सुकार्य अपने दो प्रमुख हस्तक्षेप, अर्बन स्लम हेल्थ एक्शन और रूरल कम्युनिटी हेल्थ एक्शन के जरिये, जो एनीमिया के मामले घटाने के साथ ही मातृ-शिशु स्वास्थ्य में सुधार लाने पर केंद्रित हैं, दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) की 30 झुग्गियों में 2,20,000 महिलाओं और बच्चों तथा हरियाणा और राजस्थान के 60 गांवों में 1,80,000 महिलाओं और बच्चों तक पहुंच बनाने में कामयाब रहा है।